स्वामी विवेकानंद के अनमोल वचन

दुनिया में वही जीते है, जो दुसरो के लिए जीते है। उठो, जागो और तब तक नही रुको, जब तक लक्ष्य ना प्राप्त हो जाये। किसी भी चीज को करने के लिए एकाग्रता जरुरी है और एकाग्रता ध्यान जरुरी है ध्यान से ही इन्द्रियों पर संयम रखकर एकाग्रता प्राप्त कर सकते है।

स्वामी जी ने शिक्षा के बारे में ये कहा कि 'हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जिससे चरित्र का गठन हो, मन का बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और स्वावलम्बी बनें।

Scanned with CamScanner

एकदम सच हैं ये सात हैरान कर देने वाली बातें

1- खरगोश और तोता अपनी गर्दन पीछे मोड़े बिना भी पीछे की चीजों को देख सकते हैं

2- अंतरिक्ष मे जाने के बाद मनुष्य की लम्बाई बढ़ जाती है, इसके लिए गुरुत्वाकर्षण जिम्मेदार होता है.

3- आंख बद किये बिना छींकना असंभव है.

4- करीब 2000 पौधों का उपयोग मनुष्य खाने के लिए करते हैं

5- मधुमक्खियाँ किसी भी खाने-पीने वाली चीजों का स्वाद अपने पैरों से पता करती हैं.

6- भले ही आपको हिप्पोपोटामस भारी-भरकम जानवर लगता हो लेकिन जब बात भागने की आती है तो वो इंसानों से ज्यादा तेज दौड़ सकता है.

7. ओलंपिक खेल के दौरान खिलाड़ी बहुत कम मात्रा में कॉफी पीते है. कॉफी में कैफिन होता जिसके खिलाडियों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है क्योंकि खेल पर असर पड़ता है.

Rani

Scanned with CamScanner